१२. पर्यटन

बताओ तो

विद्यार्थी मित्रो, ऐसी कल्पना कीजिए कि आपको अपने परिवार के साथ कुछ दिन सैर के लिए जाना है । इसलिए महाराष्ट्र में आपकी पसंद के १५ स्थानों की सूची तैयार कीजिए ।

सूची तैयार करने पर नीचे दिए गए वर्गीकरण के अनुसार उन्हें योग्य समूह में लिखिए ।

- समुद्री तट के समीपवाले स्थल ।
- ऐतिहासिक स्थल ।
- अभयारण्य एवं राष्ट्रीय उद्यान ।
- ठंडी हवा के स्थल ।
- धार्मिक स्थल ।

इनमें से प्रत्येक गुट में ऐसा स्थान चुनिए, जहाँ आपको भेंट देना पसंद आएगा ।

आपने यह स्थान क्यों पसंद किया? इसके कौन-कौन-से कारण हैं? इस संबंध में कक्षा में चर्चा कीजिए ।

भौगोलिक स्पष्टीकरण

हम विभिन्न उद्देश्यों से नजदीक अथवा दूर की यात्रा करते हैं, जैसे - त्योहार, उत्सव, खेल, यात्रा, मनोरंजन आदि । किसी स्थान तक जाते समय पूर्व तैयारी करनी पड़ती है । जैसे - उस स्थान तक जाने का मार्ग चुनना, परिवहन के साधन, आवश्यक दैनंदिन जरूरी वस्तुएँ लेना आदि। अपेक्षित स्थान पर पहुँचने के बाद वहाँ के दर्शनीय और मनमोहक स्थलों की सैर करते हैं । कभी-कभी हम वहाँ रुक भी जाते हैं । वहाँ कुछ सेवा-सुविधाओं का उपयोग करते हैं । उसके बदले हम मूल्य भी देते हैं ।

अपना निवास स्थान छोड़कर विभिन्न स्थानों को भेंट देना, आनंद प्राप्त करना, मनोरंजन करना, व्यापार करना, निवास करना, आदि उद्देश्यों से यात्रा की जाती हैं । ऐसी यात्रा को पर्यटन कहते हैं ।

थोड़ा सोचिए तो

पर्यटन का नियोजन

☞ आप जिस स्थान पर रहते हैं; उस स्थान से आप के पसंद वाले पर्यटन स्थलों को जाने के लिए सैर (सफर) निकालनी है ।

वहाँ जाने का मार्ग संकेतस्थल का उपयोग करके खोजिए । सैर का मार्ग निश्चित कीजिए । सैर को लगने वाला समय, सामग्री, परिवहन साधन, मार्ग की उपलब्धता आदि घटकों का विचार कीजिए ।

इस सैर के लिए प्रत्येक को आने वाले खर्च (व्यय) का विवरण तैयार कीजिए ।

आकृति १२.१ का निरीक्षण करके निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए । संदर्भ के लिए मानचित्र संग्रह का उपयोग करें ।

- इसमें कौन-से पर्यटन स्थल आपको ज्ञात हैं? उनकी सूची बनाइए ।
- वे पर्यटन स्थल किसलिए प्रसिद्ध हैं?
- मानचित्र से धार्मिक और ऐतिहासिक स्थानों की सूची तैयार कीजिए ।

- मानचित्र में ठंडी हवा के स्थल, अभायारण्य और समुद्री तटों पर स्थित स्थानों की सूची तैयार कीजिए ।
- पर्यटन स्थलों और भारत की प्राकृतिक रचना इनका सहसंबंध लगाइए ।

मानचित्र से मित्रता

आकृति १२.१ : भारत के प्रमुख पर्यटन स्थल

भौगोलिक स्पष्टीकरण

मानचित्र में दिए स्थल भिन्न-भिन्न कारणों से प्रसिद्ध हुए हैं । उन स्थलों की ख्याति के लिए विशेष कारण होते हैं । जैसे - प्राकृतिक सुंदरता, मनभावन जलवायु, मनोरम दृश्य, गर्म पानी के झरने, समुद्री तट, ऐतिहासिक शिल्प, धार्मिक स्थल, वन्य प्रदेश आदि स्थान पर्यटकों के मुख्य आकर्षण के केंद्र होते हैं ।

राजनीतिक सीमाओं के आधार पर पर्यटन के दो प्रकार होते हैं ।

स्वदेशी पर्यटन : देशांतर्गत भागों में किया जाने वाला पर्यटन स्वदेशी पर्यटन कहलाता हैं । जैसे - महाराष्ट्र के पर्यटकों का तमिलनाडु राज्य में कन्याकुमारी को पर्यटन के लिए जाना ।

विदेशी पर्यटन : अपने देश की सीमाएँ लाँघकर दूसरे देश में पर्यटन के लिए जाँना यह विदेशी पर्यटन कहलाता है ।

जैसे - भारत के पर्यटकों का स्विटजरलैंड पर्यटन के लिए जाना । अमेरिका के पर्यटकों का भारत में पर्यटन के लिए आना आदि ।

क्या आप जानते हैं?

विदेशी पर्यटन के लिए पासपोर्ट विदेश में प्रवेश, निर्गमन अनुमति (वीजा), यात्री बीमा और अन्य आवश्यक कागजपत्रों की पूर्ति करनी पड़ती है। विदेश पर्यटन के लिए जिस देश में हम पर्यटन करने वाले हैं, उस देश की मुद्रा अपने पास होनी चाहिए । उसके लिए अपनी मुद्रा उस देश की मुद्रा में परिवर्तित करवा लेना पड़ता है ।

पर्यटन का उद्देश्य और पर्यटन स्थलों की विशेषताओं के आधार पर पर्यटन के अनेक प्रकार होते हैं । उनमें से कुछ प्रकार साथवाले छायाचित्र द्वारा स्पष्ट किए गए हैं ।

यात्रा

अभयारण्य

जंगल में घूमना

समुद्री पर्यटन

स्वास्थ्य संबंधी पर्यटन

साहसी खेल

समुद्री तल की जीवसृष्टि

क्या आप जानते हैं?

पर्यटन के लिए जीपीएस :

पर्यटन के लिए भ्रमणध्वनि (स्मार्ट फोन) में उपलब्ध जीपीएस यंत्रणा अथवा जीपीएस उपकरणों का उपयोग बड़ी मात्रा में किया जाता है ।

इसके लिए 'गुगल मैप' इसके जैसी ॲप्स का उपयोग किया जाता है । इस यंत्रणा में मानचित्र के कारण हम निश्चित कहाँ पर है इसका पता चलता है । हमें कहाँ जाना है, यह निश्चित करने के बाद उस स्थल पर पहुँचने के लिए विविध विकल्पों के रास्ते, अंतर, यातायात के प्रकारानुसार लगने वाला समय, मार्गो में (सड़कों) सुविधाएँ। जैसे - पेट्रोल पंप, उपहार गृह, निवास व्यवस्था आदि की जानकारी मिलती है । पर्यटन के लिए उसका उपयोग किया जाता है ।

थोड़ा सोचिए तो

पर्यटन विकास के लिए आवश्यक कुछ बातें नीचे दी गई हैं । उनमें से जो अनुचित लगती हैं वे उचित कर पुन: लिखिए ।

- पर्यटन विकास के लिए देश के लोगों की आर्थिक आय अधिक होनी चाहिए ।
- देशान्तर्गत पर्यटन को बढ़ावा देना चाहिए ।
- अन्य देशों के पर्यटकों पर पाबंदी लानी चाहिए ।
- पर्यटकों को सुरक्षित यात्रा का विश्वास दिलाना चाहिए ।
- देश की सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा करनी चाहिए।
- अन्य देशों की संस्कृति का सम्मान करना चाहिए ।
- पर्यटन व्यवसाय के लिए शासकीय लाभ और प्रोत्साहन देना चाहिए ।
- अंतरराष्ट्रीय खेलों में सहभागिता बढ़ानी चाहिए ।
- विज्ञापनों द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देना चाहिए।
- पर्यटन स्थलों को संरक्षित रखना आवश्यक हैं ।
- सामान्यत: विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले प्रसिद्ध व्यक्तियों की प्रतिमाएँ, स्मृति स्थल के रूप में संरक्षित करनी चाहिए ।
- पर्यटन के लिए विभिन्न सुविधाओं का विकास होना चाहिए ।
- पर्यटन संस्थाओं पर पाबंदी लगानी चाहिए ।
- इस व्यवसाय में अधिक अवसर नहीं है ।
- पर्यटन यह अदृश्य स्वरूप का व्यापार हैं ।
- पर्यटकों के लिए सभी प्रकार की व्यवस्था और सुख-सुविधाएँ विकसित करनी चाहिए ।
- देश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन से कोई भी लाभ नहीं होता है ।
- अन्य अविकसित स्थलों की क्षमता विकसित करनी चाहिए ।
- गढ़ और किलों का विकास करना चाहिए ।

भौगोलिक स्पष्टीकरण

पर्यटन यह एक महत्वपूर्ण तृतीयक व्यवसाय है । इस व्यवसाय से प्रदेश की प्राकृतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक स्थिति की विश्व को पहचान होती है। । देश के पर्यटकों जैसे ही अनेक विदेशी पर्यटक प्रदेश के विविध स्थलों कों भेंट देते हैं। परिणामत: देश की अर्थव्यवस्था में विदेशी मुद्रा में वृद्धि होती है । इस लाभ के सिवाय पर्यटन स्थलों का विकास होना, वहाँ के लोगों को रोजगार उपलब्ध होना आदि अच्छी बातें भी होती हैं ।

पर्यटन का महत्त्व ध्यान में लेकर स्थानीय निवासी प्रदेश की प्रकृति, संस्कृति की रक्षा करने संबंध में सजग बनते हैं । पर्यटन विकास के लिए विविध माध्यमों द्वारा विज्ञापन करने से पर्यटन व्यवसाय की वृद्धि होने में सहायता होती है ।

बताइए तो

- पर्यटन के कौन-से नए प्रकारों का उदय हुआ है ?
- नए पर्यटन प्रकार आरंभ होने के कारण बताइए ।

भौगोलिक स्पष्टीकरण

पर्यटन को गति देने के लिए उसके विविध प्रकारों का उदय हो रहा है । उनमें से एक पर्यावरण स्नेही पर्यटन है । बढ़ती जनसंख्या, प्रदूषण, नगरीयकरण के कारण पर्यावरण की हानि हो रही है । इसे देखते हुए 'पर्यावरण स्नेही पर्यटन' संकल्पना सामने आई है । पर्यटन के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण का एक प्रकार है । पर्यटन करते समय पर्यावरण को हानि (क्षति) न पहुँचे, पर्यावरण का ऱ्हास न हों, इसका विचार करके पर्यटन विकास करने पर पर्यावरण स्नेही पर्यटन होता है । इस पर्यटन द्वारा पर्यटन स्थल पर कूड़ा-कचरा न डालना, ध्वनि प्रदूषण रोकना, वृक्ष एवं वन्य पशु-पक्षियों को हानि न पहुँचाना आदि का ध्यान रखा जाता है । इसमें पर्यावरण रक्षा को प्रोत्साहन दिया जाता है ।

इसके साथ ही हाल ही में कृषि पर्यटन संकल्पना प्रारंभ हुई है । शहर से दूर, प्रदूषणमुक्त ऐसे स्थानों पर कृषि संबंधी प्रक्रियाओं को जोड़कर कृषि जीवन के दर्शन कराए जाते हैं । पर्यटकों को इसका परिचय हो इसलिए

क्या आप जानते हैं?

महाराष्ट्र पर्यटन विकास महामंडल (MTDC) द्वारा अनेक योजनाएँ क्रियान्वित हुई हैं । प्रमुख पर्यटन स्थलों पर विश्रामगृह, जलक्रीडा इत्यादि सुविधाएँ समुद्री किनारों पर उपलब्ध की गई हैं ।

'डेक्कन ओडिसीं' यह पर्यटकों के लिए विशेष रेलगाड़ी महाराष्ट्र पर्यटन विकास महामंडल, भारतीय रेल एवं पर्यटन मंत्रालय इनके सहयोग से चलाई जाती है। यह रेल मुंबई, नाशिक, अजंता-एलोरा (वेरूल), कोल्हापुर, गोवा, रत्नागिरि से मुंबई आदि पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों को लेकर जाती है । यह गाड़ी याने एक प्रकार का चलता-फिरता राजमहल ही है ।

इसी प्रकार की दूसरी विशेष रेल जो 'पैलेस' ऑन विलस्' इस नाम से पहचानी जाती है । यह रेल दिल्ली, जयपुर, उदयपुर, भरतपुर, आगरा-दिल्ली तक यात्रा करवाती है । अनेक देशी और विदेशी पर्यटक इसका आनंद लेते हैं ।

भारतीय रेल ने पर्यटन का विशेष आकर्षण के रूप में पारदर्शक छत का डिब्बा (विस्टाडोम) वाली रेलगाड़ी हाल ही में आरंभ की है । विशाखापट्टनम-किरंदल मार्ग पर चलने वाली इस रेल में बैठकर अराकू कच्छार, अनंतगिरि चढ़ावमाथा, बोरागुहा इन प्राकृतिक सोंदर्य से समृद्ध प्रदेशों का नयन-मनोहारी दृश्य का अनुभव होने वाला है । इस रेल में संपूर्ण वातानुकूलित एवं काँच के छत वाले डिब्बे हैं । प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद अनुभव करने के लिए बड़ी आकारवाली काँच की खिड़कियाँ हैं ।

उन्हें आकर्षित किया जाता है । उसे कृषि पर्यटन कहते हैं । शहरी जीवन प्रणाली में बदलाव हेतू लोगों ने खेत में जाकर रहना, किसानों से सशुल्क आतिथ्य स्वीकार करना इसका कृषि पर्यटन में समावेश होता है । महाराष्ट्र में पुणे और कोल्हापुर जिले में कृषि पर्यटन के लिए उत्तम पर्यटन स्थल विकसित किए गए हैं ।

सिनेमा पर्यटन यह एक नए प्रकार का पर्यटन है । जिस स्थान पर सिनेमा का चित्रीकरण किया जाता है वहाँ आने वाले लोगों की भीड़ देखते हुए सिनेमा पर्यटन संकल्पना सामने आई है । इसके लिए चित्रीकरण स्थल पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न सेवा-सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है । जैसे - मुंबई सिनेमानगरी, रामोजी फिल्म सिटी आदि ।

कोंकण में तारकर्ली यह स्थान समुद्र तल और वहाँ की जीव सृष्टि देखने के लिए प्रसिद्ध है । इस स्थान पर पर्यटकों को 'स्नॉर्क-लिंग' एवं 'स्क्यूबा डायव्हिंग' करने की सुविधा है। महाराष्ट्र राज्य पर्यटन महामंडल द्वारा तारकर्ली, तहसील मालवण, जिला सिंधुदुर्ग यहाँ अंतर्राष्ट्रीय स्तर का 'स्क्यूबा डायव्हिंग' प्रशिक्षण केंद्र आरंभ किया गया है ।

भारत में पर्यटन विकास का महत्त्व

भारत देश प्राकृतिक एवं सामाजिक दृष्टि से विविधतापूर्ण हैं । यहाँ पयर्टन व्यवसाय को बहुत मात्रा में अवसर है । भारत की प्राकृतिक समृद्धता, आकर्षक भू-दृश्य, हिमालय जैसे - अति उँचा पर्वत, विलोभनीय समुद्री तट पर्यटकों को आकर्षित करते हैं । इसी के साथ भारत की सांस्कृतिक विविधता, त्योहार, उत्सव, परंपरा, वेशभूषा, भारतीय मसालों से बनाए हुए विविधतापूर्ण भोजन पदार्थ तथा भारतीयों की सौजन्य पूर्ण आवभगत आदि के कारण पर्यटन के लिए भारत में बहुत अवसर हैं ।

इसे सदैव याद रखिए

- समुद्र किनारों पर टहलने जाने पर ज्वार-भाटा समय सारणी की जानकारी रखिए ।
- स्थानीय मार्गदर्शक के सिवाय समुद्री किनारा, पर्वत कगार, जंगल, अपरिचित गुफाएँ अथवा अन्य स्थलों के स्थानों पर नहीं जाना ।
- समुद्री तट के कगार पर पर्वत के कगार पर, जंगली प्राणियों के साथ 'सेल्फी' लेना टालना चाहिए ।
- समुद्र के गहरे पानी में जाने का और तैरने का मोह टालिए ।
- पर्यटन स्थलों को साफ-सुथरा रखने का प्रयास कीजिए ।
- पर्यटन स्थलों पर स्थित प्राणी, पक्षियों को तकलीफ न हों इसका ध्यान रखिए ।
- पर्यटन स्थलों पर लगाए गए सूचना फलकों पर दी गई सूचनाओं का पालन कीजिए ।

पर्यटन और आर्थिक विकास : पर्यटन विकास से भारतीय अर्थव्यवस्था को बहुत से लाभ होते है । पर्यटन से उपहार गृह, दुकानें, यातायात व्यवस्था, मनोरंजन स्थलों आदि घटकों का विकास होकर अर्थव्यवस्था में प्रत्यक्ष लाभ होता है । उसी प्रकार आधारभूत सुविधाओं का विकास होता है और रोजगार निर्मिति होती है । इससे अर्थव्यवस्था को अप्रत्यक्ष फायदा होता है । पर्यटन यह आर्थिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है ।

पर्यटन एवं पर्यावरणीय विकास : पर्यावरणीय विकास के लिए पर्यटन उपयुक्त सिद्ध होता है । पर्यटन उद्योग की आवश्यकता से प्राकृतिक स्थलों, अभयारण्यों, राष्ट्रीय उद्यानों का विकास करने के लिए सरकार द्वारा आर्थिक निवेश किया जाता है । पर्यावरण पूरक पर्यटन संकल्पना के लिए पर्यावरण की उचित दक्षता लेकर पर्यटन स्थलों का विकास किया जाता है । निवास स्थान, रिसोर्टस्, यातायात मार्ग आदि घटकों की रचना पर्यावरण पूरक पद्धति से की जाती है । इस विकास में बिजली, पानी का सावधानीपूर्वक उपयोग किया जाता है । पुनर्उपयोग संकल्पना भी उपयोग में लाई जाती है । पर्यावरण की प्राकृतिक स्थिति सुरक्षित रखकर पर्यटन विकसित किया जाता है ।

पर्यटन और स्वास्थ्य : भारत में कुछ पर्यटक यह स्वास्थ्यसंबंधी सुविधाएँ प्राप्त करने के लिए आते हैं । यहाँ के पर्यटन स्थलों को यात्रा करने के साथ ही भारतीय आयुर्वेद, योगशास्त्र, प्राणायाम इनमें से शारीरिक सुदृढ़ता और मन को शांति प्राप्त होती है । यह भी एक मुख्य उद्देश्य होता है।

भारत के अस्पतालों में मिलने वाले उपचार की जाने वाली शल्य चिकित्सा यह विदेशों की तुलना में कम खर्चे में होने के कारण भी संसार के अनेक देशों से रोगी भारत में आते हैं । ऐसे व्यक्तियों को लगने वाली सेवा सुविधाओं से वैद्यकीय पर्यटन विकसित होता है ।

पर्यटन और सामाजिक विकास : पर्यटन के माध्यम से कुछ विशेष सामाजिक प्रकल्पों का विकास होता है । ग्रामीण संस्कृति, आदिवासी जीवन एवं संस्कृति इन घटकों का पर्यटन में समावेश करने से पर्यटन को सामाजिक दिशा

मिलती है और समाज के उपेक्षित घटकों को विकास करने का अवसर मिलता है । महाराष्ट्र के मेलघाट में आदिवासी जीवन, महान समाजसेवी बाबा आमटे का आनंदवन प्रकल्प, रालेगाँव सिद्धि, हिवरे बाजार जैसे आदर्श गावों की यात्रा करना आदि जैसे पर्यटन से सामाजिक भान निर्माण होता है और वहाँ के विकास को बढ़ावा मिलता है ।

भारत में इस प्रकार के पर्यटन के लिए बड़े अवसर है । भविष्य में भारतीय अर्थव्यवस्था में पर्यटन यह एक महत्त्व-पूर्ण घटक सिद्ध हो सकता है ।

थोड़ा विचार कीजिए

हमने पर्यटन के विविध प्रकार देखिए हैं । ऐसा सोचो कि क्या हमें अंतरिक्ष में पर्यटन के लिए जाना संभव हो सकेगा? उसके लिए हमें क्या करना होगा? कहाँ-कहाँ जा पाएँगे? इस संबंध में आपके कल्पना चित्र, लेख आदि स्वरूप में प्रस्तुत कीजिए ।

स्वाध्याय

प्रश्न १. निम्न विधानों से पर्यटन के प्रकार पहचानिए ।

(अ) हेमंतकुमार, माया संस्कृति के वास्तुरचना कौशल की विशेषताएँ जानने हेतु मैक्सिको होकर आए ।

(आ) गोवा कार्निवल देखने के लिए पुर्तगाली पर्यटक गोवा में आए थे ।

(इ) प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र में उपचार करने हेतु जॉन और अमर को केरल में जाना पड़ा ।

(ई) पुंडलिकराव ने सहपरिवार चारधाम की यात्रा पूर्ण की ।

(उ) पुणे की रामेश्वरी अपने सहेली के साथ 'हुरडा पार्टी' एवं आधुनिक तथा पारंपारिक खेती विषयक जानकारी प्राप्त करके आई है ।

(ऊ) सय्यद परिवार अजमेर यात्रा के लिए गया ।

प्रश्न २. सहसंबंध पहचानकर जोड़ियाँ मिलाइए तथा कड़ी बनाइए ।

'अ' गट	'ब' गट	'क' गट
(१) ताडोबा	(१) मध्य प्रदेश	(१) झील
(२) पक्षी अभयारण्य	(२) आगरा	(२) तितलियाँ
(३) संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान	(३) मणिपुर	(३) कैलास गुफाएँ
(४) ताजमहल	(४) नान्नज	(४) चित्रपट नगरी
(५) रामोजी फिल्म सिटी	(५) वेरूल	(५) विश्वविख्यात अजूबा
(६) राधानगरी	(६) मुंबई	(६) प्राचीन गुफाचित्र
(७) भीमबेटका	(७) हैदराबाद	(७) मालढ़ोक
(८) प्राचीन गुफाएँ	(८) कोल्हापुर	(५) कान्हेरी गुफाएँ
(९) ईगलनेस्ट वन्य जीव अभयारण्य	(९) चंद्रपुर	(९) रानगवा
(१०) लोकटक	(१०) अरुणाचल प्रदेश	(१०) बाघ

प्रश्न ३. संक्षेप में उत्तर लिखिऐ :

(अ) धार्मिक तथा सांस्कृतिक पर्यटन में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

(आ) पर्यटन के कौन-कौन से उद्देश होते हैं?

(इ) पर्यटन का पर्यावरणात्मक परिणाम बताइए ।

(ई) पर्यटन विकास से कौन-कौन से अवसर निर्माण होते हैं?

(उ) पर्यटन स्थलों पर आने वाली समस्याएँ बताकर इसके उपाय लिखिए ।

(ऊ) आप के जिले में कौन-कौन से पर्यटन स्थलों को विकसित किया जा सकता है, इस संदर्भ में स्पष्टीकरण लिखिए ।

(ए) पर्यटन से स्थानीय लोगों को रोजगार प्राप्त होता है, स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न ४. पर्यटन स्थल पर लगाने के लिए पर्यटकों के लिए कुछ मार्गदर्शक सूचना फलक तैयार कीजिए ।

प्रश्न ५. पर्यटन के संबंध में 'अतिथि देवो भव' यह संकल्पना कहाँ तक सार्थक है, स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न ६. महाराष्ट्र के पर्यटन स्थल का मानचित्र दिया गया है, उसके आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(अ) गर्म पानी के झरनों की सूची बनाइए । वे स्थान वहाँ होने का कारण बताइए ।

(आ) यातायात के मार्ग और पर्यटन स्थलों का विकास, इनके बीच सहसंबंध किन-किन स्थानों पर दिखाई दे रहा है??

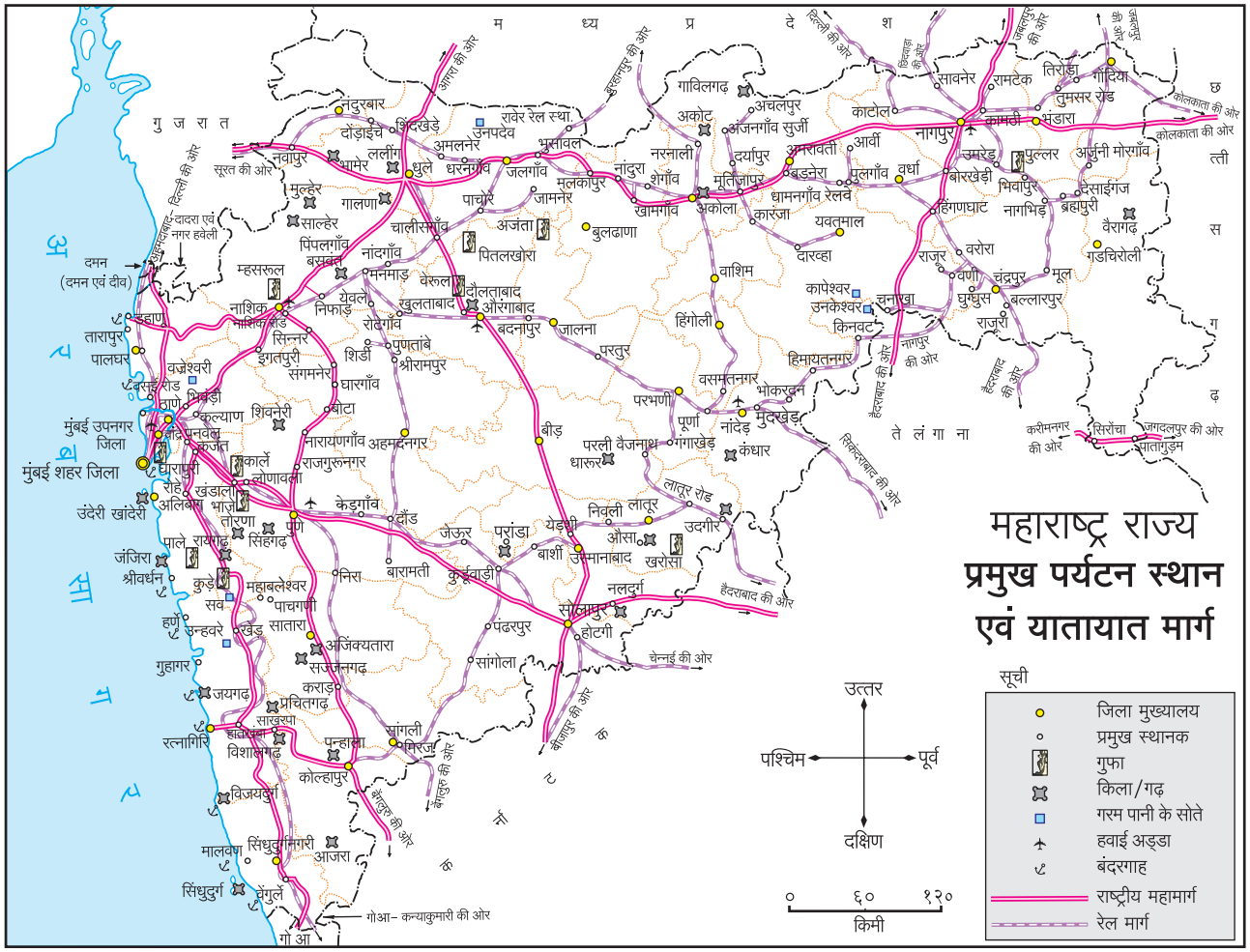

उपक्रम :

पर्यटन को प्रेरित करने के लिए विज्ञापन तैयार करके कक्षा में प्रस्तुत कीजिए ।

***

JA1ZNS

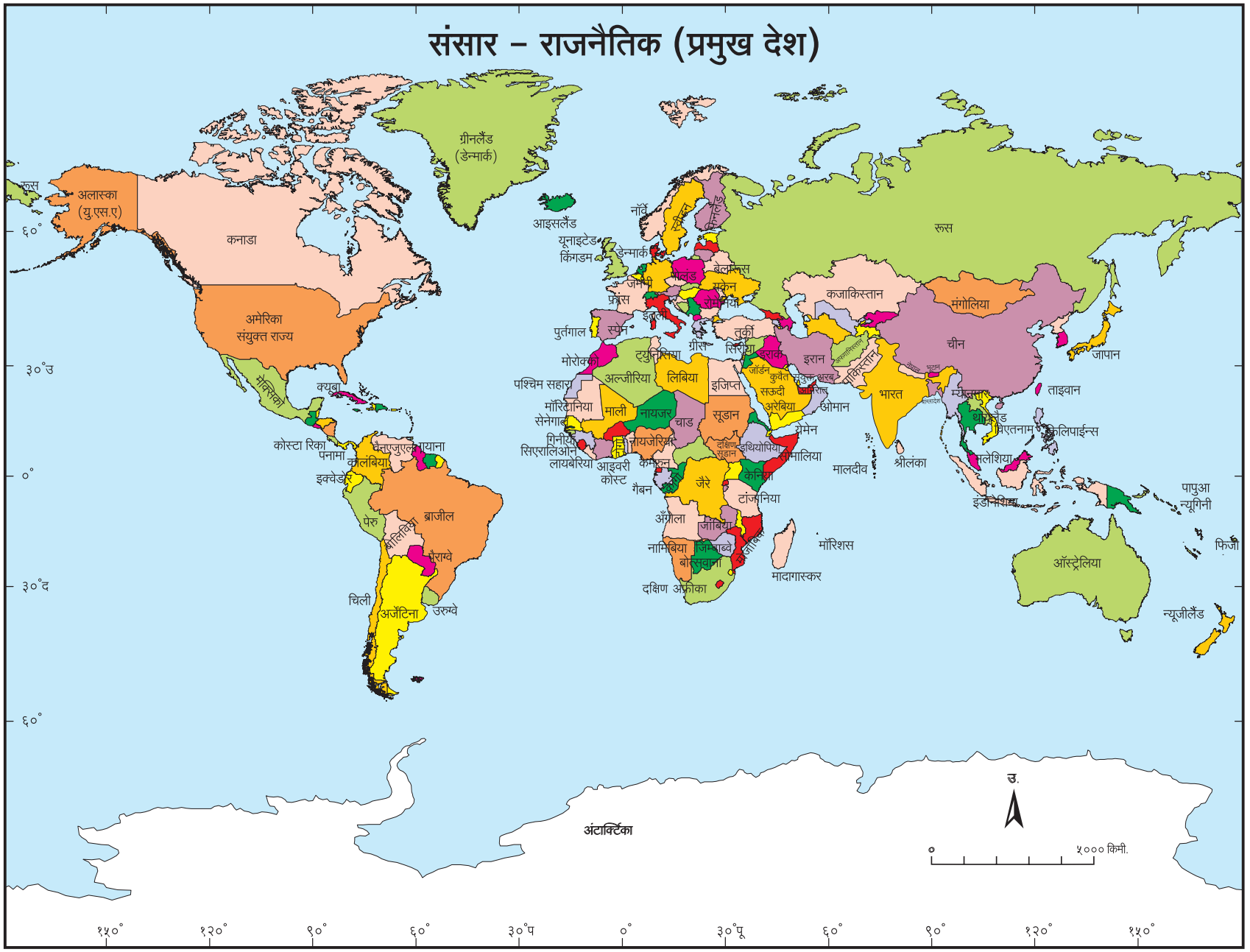

संसार – राजनैतिक (प्रमुख देश)